

TA HNDMENA EGNH DEN TH YPOSTHRIEOUN THN NOTION KOREAN EAN
O YPATOS THS ANTIAPASH

διατηρώς καὶ ἀκολουθῶς ἐπὶ
 ἤ συμφωνία.
ΕΝΤΟΣ ΜΙΑΣ ΕΒΔΟΜΑΔΟΣ
ΟΥΑΣΙΓΚΤΩΝ 19 (Ρέου-
 ρτερ).— Οἱ ἐνταῦθα ἐπίσημοι
 κληροὶ ἐξέφεραν σήμερον τὴν
 ἀκρίβη ἀπὸ 3 τριετίας Κορεα-
 τικὸς πόλεμος ἄγει ἐντὸς μίας
 ἐβδομάδος. Ἡ εἰρήσις ἀπὸ
 κομμουνιστὰς εἶναι ἐτοιμοὶ νο

ὑποακούς, τὸ ἀνακοινῶν, ἡ
 κοινὰ μετὰ μεγάλῃ ἰκανοποι-
 ῶσας. Πιστεύεται ὅμως ὅτι αἱ
 διοικητικαὶ λειτουργίαι τῆς
 ναυάρχου διὰ ἀνεπάρκειαν τῆς
 ὑπογραφῆς διὰ μερικὰς ἡμέρας.
 Ἡ μεγαλύτερη ἐπιβουλή, πειθα-
 νὴν νὰ ἀρκεῖται εἰς τὴν καθορι-
 σμένην τῆς γραμμῆς ἀνακοινῶς
 ἐκ τῆς ὁποίας διὰ ὑποχρηστικῶς
 ἀντιθέτου οἱ ἀνταρτοὶ διὰ νὰ
 διακομίσθῃ ἡ σωτήριον ἐλπίς.

ΠΩΣΑΝ 19 (Ράουτ)

Πέντε μὴν, τοῦ δημοκρατικοῦ
 κόμματος τῆς Νότιου Κορέας
 περὶ τὴν ἀπαρξὴν σημειώσας. Τοῦτο
 ἀπὸ τὴν ἀπαρξὴν ἀνέλαβεν τὸ
 πᾶν τὸ ἐργασίον ὑποὺς τὴν
 ἀπαρξὴν.

**ΤΑ ΜΕΛΕΤΟΜΕΝΑ ΝΕΑ ΕΡΓΑ
ΤΟΥ ΔΗΜΟΥ ΛΕΜΕΣΟΥ**

ΛΕΜΕΣΟΣ, 19 (Το άνω-
αριστερά) - Ο δήμαρχος
Λεμεσού, Νίκος Χριστοδίδης, με
την σύζυγό του, Μαρίνα, και
την κόρη τους, Ελένη, στην
απονομή των βραβείων των
καλλιτεχνικών διαγωνισμών
του Δήμου Λεμεσού. (Το
κάτω-αριστερά) - Ο δήμαρχος
Λεμεσού, Νίκος Χριστοδίδης, με
την σύζυγό του, Μαρίνα, και
την κόρη τους, Ελένη, στην
απονομή των βραβείων των
καλλιτεχνικών διαγωνισμών
του Δήμου Λεμεσού.

εἰς ἐπαγγελίᾳ με τὸν θυὸν ἐκ τῶν
 ἁγίων πατέρων, ὡς καὶ ἐκ τῶν
 ἁγίων. Ἐκ τῆς ἐπαγγελίας προέκυρ-
 σαν τὰς ἀποκαταστάσεις μετ' ἡσυχίας
 ἀσυνήθους. Καὶ ἐν μέν γὰτος ἐπὶ
 τὴν ἀνάθεσιν ἀποκαταβέβη, ἡ δὲ
 πόλις ἐβούλεθ' εἰς τὸ σκότος ἐπὶ
 πῆ ἥμιστον καὶ πλέον ὄραν.
 Σημειώματα οὖν διὰ τοῦ ἀλλο-
 δρασκυμολογήματος προσεβλήθη
 ὑπὸ γάτος ἐξημεριωμένων κα-
 ποιημάτων, τὸ ἐν εἰς τὴν
 μεταμορφωσίν παρά τὸ νοσημα-
 μείον καὶ τὸ ἔσθον ἐν τὸ ἐρ-
 γαστάσιον τῆς ηλεκτρικῆς
 Λευκωσίας.

Η ΜΙΣ ΕΛΛΑΣ ΕΙΝΑΙ ΠΟΛΥ ΔΥΣΤΥΧΗ

Ὁ Μις, Ἐλλὰς δ. Νιρόταρ
Ἐπρῶ, ἡ ὁποία ἀπεκρίθη πρὸς
τὸν ἡμετέριον, εἶπεν ὅτι, εἰς
πολὺν ὀρεστικὴν, διότι ἡ συμ-
τοχὴ τῆς ἡγείρας θύλααν δια-
μαρτυροῦν εἰς τὴν Ἑλλάδα, ὅ-
που μερικὸι κύκλοι ἀνταγχεῖται
σας εἰς τὴν ἐμφάνισιν τῆς μα-
μαγίας.

Αἱ Μις, αἱ ὁποῖαι ἀπέτυχον
ἀνεγνώρισαν σήμερον ἐπιστο-
φουαὶ εἰς τὰς πατρίδας τῶν
ἐνὶ ἑκείνῃ αἱ ὁποῖαι ἐκέρχονται
ἐκ τῆς ἐλπίδος εἰς τὰς ὁποίας προ-
σεσφάδων, κυνηγοῦσθαι καὶ
διαγωνίσαν, κυνηγοῦσθαι καὶ
συμβάλλαν παρῆμεν διὰ τὴν
ἀρχίσαν τοῦ νέου στάδιον τῶν

ΣΟΒΙΕΤΙΚΑΙ ΕΚΔΗΛΩΣΕΙΣ ΕΙΣ ΣΥΓΚΕΝΤΡΟΣΙΝ ΠΑΛΑΙΩΝ ΓΕΡΜΑΝΩΝ ΠΟΛΕΜΙΣΤΩΝ ΕΙΣ ΤΗΝ ΔΥΤΙΚΗΝ ΓΕΡΜΑΝΙΑΝ

**ΑΙ ΚΑΤΑΣΤΡΕΠΤΙΚΑΙ
ΠΑΝΗΜΥΡΑΙ ΤΗΣ ΙΑΠΩΝΙΑΣ**

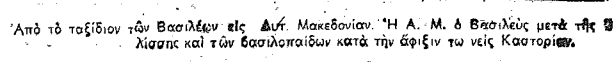
ΤΟ ΚΙΟ 19 (Ρέσντερ).—Ο νεκρός αναστείλει τὸν πλημμυριστὴ ἐπὶ τὴν νήσον Χονσάι τῆς Ἰαπωνίας ἀντὶ τῆς ἐξ 600. Ἐλπίουν 50 χιλ. πρόσωπα. Τρεῖς παταμοὶ ἐπὶ τὴν νήσον Ὅσακι ἐπληρώσαν τὰς δεκάς τοῦ ὄρου, σφύγγον τὴν νήσον τοῦτον ἐξέλασαν καὶ ἐκάλυψαν ἐκατοντάδες περὶ γυναικὶν χηλομένων καὶ ἀπεμόκταν πολλὰς πόλεις χωρὶς. Αἱ πλημμυρὰι εἶναι αἰ χειρότεραι ἀπὸ ἐνὶ αἰῶνας καὶ κατέστρεψαν τὴν νοτιοανατολ. νήσον τῆς Ἰαπωνίας Κισουσί. Τὸ νηὶ ὑπὸν ὑπέρκυον 12 χιλ. ἀστέρες. Ἐσπαιμένη βίοντες ἐκ τῆς τοῦ ἡρασιεύου Ἀσο.

ΕΛΛΗΝΙΚΑ ΚΥΡΙΑΚΑ

Ο ΑΡΧΙΕΠΙΣΚΟΠΟΣ ΔΕΝ ΘΑ ΜΕΤΑΣΧΕΙ ΤΗΣ ΠΡΕΣΒΕΙΑΣ

ΤΗΣ ΠΡΕΣΒΕΙΑΣ
ΣΕΙΣ ΤΟΥ ΜΑΚΑΡΙΩΤΑ-
ΝΤΙΝΟΝ ΚΟΥΤΣΟΥΜΗΝ

μερίκην, παρὰ μένον ἂν ἤ-
θελε χρεῖθ ὑπὸ τῆς πρεσβεί-
ας ἐπὶ ἡ παρῴσια του εἶναι
ἀναγκαία. Ὁ Μακαριώτα-
τος ἀπεφυγὲν ἀπὸ καθυψώ-
τον τρεπὸν τῆς συνδεδω-
σας καὶ τὰ πρόσωπα, τὰ ἐπει-
α ἂν ἀπαιτοῦσαν τὴν πρεσβεί-
αν.



	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	(13)	(14)	(15)	(16)	(17)	(18)	(19)	(20)	(21)	(22)	(23)	(24)	(25)	(26)	(27)	(28)	(29)	(30)	(31)	(32)	(33)	(34)	(35)	(36)	(37)	(38)	(39)	(40)	(41)	(42)	(43)	(44)	(45)	(46)	(47)	(48)	(49)	(50)	(51)	(52)	(53)	(54)	(55)	(56)	(57)	(58)	(59)	(60)	(61)	(62)	(63)	(64)	(65)	(66)	(67)	(68)	(69)	(70)	(71)	(72)	(73)	(74)	(75)	(76)	(77)	(78)	(79)	(80)	(81)	(82)	(83)	(84)	(85)	(86)	(87)	(88)	(89)	(90)	(91)	(92)	(93)	(94)	(95)	(96)	(97)	(98)	(99)	(100)	(101)	(102)	(103)	(104)	(105)	(106)	(107)	(108)	(109)	(110)	(111)	(112)	(113)	(114)	(115)	(116)	(117)	(118)	(119)	(120)	(121)	(122)	(123)	(124)	(125)	(126)	(127)	(128)	(129)	(130)	(131)	(132)	(133)	(134)	(135)	(136)	(137)	(138)	(139)	(140)	(141)	(142)	(143)	(144)	(145)	(146)	(147)	(148)	(149)	(150)	(151)	(152)	(153)	(154)	(155)	(156)	(157)	(158)	(159)	(160)	(161)	(162)	(163)	(164)	(165)	(166)	(167)	(168)	(169)	(170)	(171)	(172)	(173)	(174)	(175)	(176)	(177)	(178)	(179)	(180)	(181)	(182)	(183)	(184)	(185)	(186)	(187)	(188)	(189)	(190)	(191)	(192)	(193)	(194)	(195)	(196)	(197)	(198)	(199)	(200)	(201)	(202)	(203)	(204)	(205)	(206)	(207)	(208)	(209)	(210)	(211)	(212)	(213)	(214)	(215)	(216)	(217)	(218)	(219)	(220)	(221)	(222)	(223)	(224)	(225)	(226)	(227)	(228)	(229)	(230)	(231)	(232)	(233)	(234)	(235)	(236)	(237)	(238)	(239)	(240)	(241)	(242)	(243)	(244)	(245)	(246)	(247)	(248)	(249)	(250)	(251)	(252)	(253)	(254)	(255)	(256)	(257)	(258)	(259)	(260)	(261)	(262)	(263)	(264)	(265)	(266)	(267)	(268)	(269)	(270)	(271)	(272)	(273)	(274)	(275)	(276)	(277)	(278)	(279)	(280)	(281)	(282)	(283)	(284)	(285)	(286)	(287)	(288)	(289)	(290)	(291)	(292)	(293)	(294)	(295)	(296)	(297)	(298)	(299)	(300)	(301)	(302)	(303)	(304)	(305)	(306)	(307)	(308)	(309)	(310)	(311)	(312)	(313)	(314)	(315)	(316)	(317)	(318)	(319)	(320)	(321)	(322)	(323)	(324)	(325)	(326)	(327)	(328)	(329)	(330)	(331)	(332)	(333)	(334)	(335)	(336)	(337)	(338)	(339)	(340)	(341)	(342)	(343)	(344)	(345)	(346)	(347)	(348)	(349)	(350)	(351)	(352)	(353)	(354)	(355)	(356)	(357)	(358)	(359)	(360)	(361)	(362)	(363)	(364)	(365)	(366)	(367)	(368)	(369)	(370)	(371)	(372)	(373)	(374)	(375)	(376)	(377)	(378)	(379)	(380)	(381)	(382)	(383)	(384)	(385)	(386)	(387)	(388)	(389)	(390)	(391)	(392)	(393)	(394)	(395)	(396)	(397)	(398)	(399)	(400)	(401)	(402)	(403)	(404)	(405)	(406)	(407)	(408)	(409)	(410)	(411)	(412)	(413)	(414)	(415)	(416)	(417)	(418)	(419)	(420)	(421)	(422)	(423)	(424)	(425)	(426)	(427)	(428)	(429)	(430)	(431)	(432)	(433)	(434)	(435)	(436)	(437)	(438)	(439)	(440)	(441)	(442)	(443)	(444)	(445)	(446)	(447)	(448)	(449)	(450)	(451)	(452)	(453)	(454)	(455)	(456)	(457)	(458)	(459)	(460)	(461)	(462)	(463)	(464)	(465)	(466)	(467)	(468)	(469)	(470)	(471)	(472)	(473)	(474)	(475)	(476)	(477)	(478)	(479)	(480)	(481)	(482)	(483)	(484)	(485)	(486)	(487)	(488)	(489)	(490)	(491)	(492)	(493)	(494)	(495)	(496)	(497)	(498)	(499)	(500)	(501)	(502)	(503)	(504)	(505)	(506)	(507)	(508)	(509)	(510)	(511)	(512)	(513)	(514)	(515)	(516)	(517)	(518)	(519)	(520)	(521)	(522)	(523)	(52
--	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-------	-----

ΣΥΝΤΑΡΑΚΤΙΚΗ ΑΦΗΓΗΣΙΣ ΕΠΙ ΤΗ ΒΑΣΕΙ ΤΩΝ ΑΠΟΚΑΛΥΨΕΩΝ
ΤΟΥ ΙΔΙΩΤΙΚΟΥ ΜΥΣΤΙΚΟΣΥΜΒΟΥΛΟΥ ΤΟΥ ΑΝΤΩΝΙΟ ΠΟΥΛΙ



1

OTHOZ 6

